Regarding Need for upgradation of power-grids to facilitate implementation of PM-KUSUM and PM Surya Ghar-Muft Bijli Yojana-laid

श्री गणेश सिंह (सतना) : माननीय प्रधान मंत्री जी ने अक्षय-ऊर्जा को बढ़ावा दे कर भारत को विश्व के अग्रणी देशों की पंक्ति में लाने का जो संकल्प लिया है, वह अति-प्रशंसनीय है । उन्होंने प्रधानमंत्री कुसुम योजना और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना जैसी महत्वाकांक्षी प्रोग्राम्स के माध्यम से देश के किसानो और आम जनता को लाभान्वित कर गरीबी पर कड़ा प्रहार किया है । यह भारत के इतिहास में अभूतपूर्व है । किंतु, अक्षय ऊर्जा, खास कर सौर और पवन ऊर्जा, दिन के समय कभी-कभी उपलब्ध हो पाती हैं । इस तकनीकी चैलेंज के चलते, पॉवर ग्रिड ऑपरेटर और पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियाँ ग्रिड बैलेंसिंग कठिनाई का सामना कर या तो बिजली-आपूर्ति की दरें बढ़ा रही हैं या सौर-पवन ऊर्जा ख़रीद ही नहीं रही हैं । उपयुक्त ग्रामीण ग्रिड भी कम उपलब्ध हैं इस कारण कुसुम योजना में 2 मेगावाट की लिमिट है । ऐसी ऊर्जा को ग्रिड में समावेशित करने के लिए, ग्रिड-उन्नयन या नए ग्रिड निर्माण का काम अपेक्षित गति से नहीं चल रहा । मेरा आग्रह है शीघ्र ग्रामीण क्षेत्र में पीएम कुसुम और पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के लिए ग्रिड उन्नयन का एक विशिष्ट कार्यक्रम प्रारंभ हो जिसमे, कार्बन मार्केट सहित, अंतरराष्ट्रीय सस्ते क्लाइमेट फाइनेंस को वृहद रूप से उपलब्ध कराने का प्रावधान हो ताकि सभी राज्य इसे तेजी से अपना सके ।